नए भारत का वैश्विक सम्मान

JULY, 2023

Research Team

Abhay Singh

Research Associate
Dr. Syama Prasad Mookerjee
Research Foundation

Manujam Pandey

Research Associate
Dr. Syama Prasad Mookerjee
Research Foundation

Utkarsh Mishra

(Intern)

Design

ANKIT

(Intern)

Dr. Syama Prasad Mookerjee
Research Foundation

Dr. Syama Prasad Mookerjee
Research Foundation
9, Ashoka Road,New Delhi-110001
Web :- www.spmrf.org, E-Mail: office@spmrf.org,
@spmrfoundation
Phone : 011-69047014

भूमिका

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया के बड़े देशो के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा वहां के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नहीं बल्कि पूरे भारत का है। आज वैश्विक मंच पर भारत की नई पहचान बन रही है तो इसके पीछे दूरदर्शी दृष्टिकोण है जो गरीब कल्याण से लेकर भारत प्रथम का है। 2014 के बाद नए भारत के निर्माण हेतु संकल्पित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों, उनके नेतृत्व और उनकी नीयत की स्वीकार्यता पूरी दुनिया में हो रही है।

दुनिया के जिन देशों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पुरस्कृत किया है उनमें से 6 इस्लामिक देश हैं। इससे सिद्ध होता है कि प्रधानमंत्री की स्वीकार्यता और उनकी लोकप्रियता कितनी व्यापक है। आज दुनिया के देश भारत के साथ अपने संबंधों की दृढ़ता के प्रति हिमायती हैं। वैश्विक विषयों जैसे जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, वन अर्थ, वन फैमिली और वन फ्यूचर जैसी सकारात्मक सोच के साथ आज का नया भारत दुनिया का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को 14 देशों द्वारा सम्मानित किया गया हैं, जिसमें स्वच्छता अभियान व कुशल नेतृत्व जैसे बुनियादी पैमानों को शामिल किया गया है। दुनिया के सभी देशों के बीच प्रधानमंत्री की बढ़ती लोकप्रियता, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मिले 177 देशों के समर्थन और रुस - यूक्रेन युद्ध पर दिए प्रधानमंत्री के बयान "आज का युग युद्ध का नहीं हैं" को दुनिया ने एकस्वर में स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सफल कूटनीति से अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान और रूस जैसे देशों को अपना मुरीद बनाया तो आतंक परस्त देश को दुनिया के अंतरराष्ट्रीय मंच पर घेरकर भारत की कूटनीतिक सफलता को भी प्रदर्शित किया है। 17 साल बाद नेपाल, 28 साल बाद ऑस्ट्रेलिया, 31 साल बाद फिजी का दौरा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरगामी सोच को दिखलाता है। यह ई बुकलेट वैश्विक समुदाय द्वारा भारत और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दिए गए सम्मान को सूचीबद्ध करता है। हमें विश्वास है कि यह ई बुकलेट आप पाठकों के ज्ञान में वृद्धि करेगा।

डॉ. अनिर्बान गांगुली
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन

अमेरिका

अमेरिका ने 22 दिसंबर 2020 को अपने सर्वोच्च सैन्य सम्मान "लीजन ऑफ मेरिट" से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया था। पीएम मोदी को ये अवॉर्ड भारत-अमेरिका के रणनीतिक रिश्ते बढ़ाने के लिए दिया गया था। अमेरिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के ग्लोबल पावर बनने की रफ्तार का मुरीद है,अमेरिका को ये भी लगता है कि मोदी सरकार ने वैश्विक चुनौतियों को सामना करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया है।ये पीएम मोदी और ट्रंप की गहरी दोस्ती की अवॉर्ड वाली निशानी कही जाए तो कोई अतिशयोक्ति नही होगी फिलहाल उस दौरान कोरोना काल की वजह से यात्राएं बंद थी। लिहाजा प्रधानमंत्री की तरफ से अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने अवॉर्ड को स्वीकार किया था, अमेरिका की तरफ से वहां के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ'ब्रायन ने मेडल सौंपा। अमेरिका का ये सर्वोच्च मिलिट्री सम्मान 'लीजन ऑफ मेरिट' मेडल में सुनहरे- लाल और हरे रंग का प्रयोग होता है और इसके नीले रंग वाले केंद्र में 13 सफेद सितारे होते हैं। मोदी के साथ ये अवॉर्ड इससे पहले जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन को भी दिया जा चुका है।

रूस

रूस दूतावास ने 4 सितंबर 2019 को बताया कि पीएम मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द सेंट एंड्रयू एपोस्टल' प्रदान किया जाएगा। मोदी को ये सम्मान रूस और भारत के बीच विशेषाधिकृत कूटनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए दिया जाएगा।"ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल" का उपयोग रूस की समृद्धि, भव्यता और गौरव को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख राजनेताओं और सार्वजनिक हस्तियों, विज्ञान, संस्कृति, कला और विभिन्न उद्योगों के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों को असाधारण सेवाओं के लिए पुरस्कृत करने के लिए किया जाता है।यह पुरस्कार रूसी संघ के लिए उत्कृष्ट सेवा के लिए विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को भी प्रदान किया जा सकता है।कई कलाकारों और सैन्य कर्मियों के अलावा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अजरबैजान के राष्ट्रपति हेदर अलीयेव और कजाकिस्तान के राष्ट्रपति नूरसुल्तान नज़रबायेव इस पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं।

फ्रांस

14 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस ने "लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया" गया।यह पुरस्कार स्वयं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने दिया।

यह सर्वोच्च फ्रांसीसी सम्मान है, पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। लीजन ऑफ ऑनर दुनिया भर के चुनिंदा प्रमुख नेताओं और प्रतिष्ठित हस्तियों को दिया गया है, इससे पूर्व दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, वेल्स के तत्कालीन राजकुमार किंग चार्ल्स, जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुट्रोस बुट्रोस-घाली समेत अन्य नामचीन हस्तियां शामिल हैं।

संयुक्त अरब अमीरात

24 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शनिवार को यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ जाएद' से सम्मानित किया गया था। उन्हें यह सम्मान अबु धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाह्यं के हाथों मिला, यह सम्मान दुबई के संस्थापक शेख जाएद बिन सुल्तान अल नाह्यां के नाम पर रखा गया है। मोदी को मिले सम्मान का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि यूएई इस साल उनके (शेख जाएद) जन्म का सौवां साल मना रहा था। मोदी को 'ऑर्डर ऑफ जाएद' से नवाजे जाने की घोषणा इस साल अप्रैल में हुई थी।इससे पहले विश्व के कई नेता इस अवार्ड से सम्मानित किए जा चुके हैं, जिनमें रुस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन,महारानी एलिजाबेथ द्वितीय एवं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 फरवरी 2019 को दक्षिण कोरिया के दौरे पर थे. जहां उन्हें आज "सियोल शांति पुरस्कार" से नवाजा गया था। वह पहले भारतीय हैं जिन्हें प्रतिष्ठित सियोल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सियोल पुरस्कार समिति ने भारतीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास में उनके योगदान को मान्यता देते हुए और अमीर व गरीब के बीच सामाजिक और आर्थिक विषमता को कम करने के लिए, उनकी विशिष्ट आर्थिक नीतियां'मोदीनॉमिक्स'को श्रेय देते और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि, विश्व शांति, मानव विकास में सुधार और भारत में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए उनके योगदान को देखते हुए सियोल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मोदी ये पुरस्कार से नवाजे जाने वाले 14वें व्यक्ति हैं और इससे पहले ये पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान को दिया गया था।उससे पहले जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल जैसी हस्तियां और डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स और ऑक्सफैम जैसे प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय राहत संगठन शामिल हैं जिन्हें ये पुरस्कार दिया जा चुका हैं। मोदी ने इस पुरस्कार में मिली 1.30 करोड़ की रकम को नमामि गंगे प्रोजेक्ट के लिए देने का ऐलान किया था।

मिस्र

25 जून 2023 को मिस्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वहां का सबसे बड़ा सम्मान दिया गया गया।राष्ट्रपति अल-सीसी ने मोदी को मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द नाइल' पुरस्कार से सम्मानित किया।मिस्र ने 1915 में 'ऑर्डर ऑफ द नाइल' की शुरुआत की गई थी, ये सम्मान उन राष्ट्राध्यक्षों, राजकुमारों और उपराष्ट्रपतियों को प्रदान किया जाता है जो मिस्र या मानवता को अमूल्य सेवाएं प्रदान करते हैं।मिस्र ने इस सम्मान की शुरुआत 1915 में की थी,उस समय के सुल्तान हुसैन कामेल ने इसे स्थापित किया था। 1953 में राजशाही के खात्मे के बाद मिस्र के गणतंत्र होने के बाद देश के सर्वोच्च सम्मान के रूप में ऑर्डर ऑफ द नाइल का पुनर्गठन किया गया।एक शुद्ध सोने के हार की तरह दिखता है, इसमें तीन वर्गाकार सोने के टुकड़े होते हैं, इसे विभिन्न रंगों से तैयार किया जाता है।गोलाकार सोने के फूल की तीन इकाइंया एक दूसरे से कनेक्टेड होती हैं,पहली इकाई राज्य को बुराईयों से बचाने के विचार से मिलती-जुलती है, दूसरी इकाई नील नदी द्वारा लाई गई खुशी और समृद्धि और तीसरी इकाई धन और सहनशक्ति की परिचायक होती है।

भूटान

17 दिसंबर 2021 को भूटान ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से नवाजा था। प्रधानमंत्री मोदी को भूटान ने ये पुरस्कार दोस्ती और आपसी सहयोग के लिए दिया है. भूटान सरकार ने बताया कि महामारी के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सहयोग किया. भूटान ने इस पुरस्कार के लिए अपने लोगों की ओर से बधाई देते हुए कहा कि उन्हें हमेशा एक महान और आध्यात्मिक इंसान के रूप में देखा है. भूटान ने प्रधानमंत्री मोदी को देश आने का न्योता भी दिया है.प्रधानमंत्री मोदी भूटान के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पाने वाले पहले विदेशी सरकार प्रमुख हैं। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने अपने उत्कृष्ट योगदान और भूटानी राष्ट्रों और लोगों के लिए अपनी सेवाएं पीएम मोदी को सम्मान के साथ पेश की।

फिलिस्तीन

10 फरवरी 2018 को फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन' सम्मान से सम्मानित किया था। भारत और फिलिस्तीन के बीच संबंधों को बढ़ावा देने में पीएम मोदी के योगदान को देखते हुए उन्हें ये सम्मान दिया गया।दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक के समापन के बाद फिलिस्तीन के राष्ट्रपति अब्बास ने पीएम मोदी को 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन' से सम्मानित किया।पीएम मोदी फिलिस्तीन की आधिकारिक यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। 'ग्रैंड कॉलर' विदेशी गणमान्यों - शाह, राष्ट्राध्यक्षों/ शासनाध्यक्षों एवं समान पद के व्यक्तियों को दिया जाने वाला फिलिस्तीन का सर्वोच्च सम्मान है।इससे पहले यह सम्मान सऊदी अरब के शाह सलमान, बहरीन के शाह हमाद, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य को दिया जा चुका है।

अफगानिस्तान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 4 जून 2016 को अफगानिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान अमीर अमानुल्ला खान अवॉर्ड से नवाजा गया था। अफगानिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी ने पीएम मोदी को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया।इस पुरस्कार का नाम अफगानिस्तान के राष्ट्रीय नायक, अमानुल्लाह खान (गाजी) के नाम पर रखा गया है जो अफगानिस्तान की स्वतंत्रता के शूरवीर थे। वे 1919 से 1929 तक अफगानिस्तान अमीरात के शासक थे, उन्होंने अफगानिस्तान की स्वतंत्रता के लिए एक कुशल नेतृत्व दिया।अफगानिस्तान सरकार ने इस पुरस्कार का वर्ष 2006 में गठन किया था। इससे पूर्व यह पुरस्कार अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश, कज़ाकस्तान के राष्ट्रपति नूरसुल्तान नजरबायेव, तुर्की के राष्ट्रपति रिसेप तईप एरडोगन, नाटो के जनरल जेम्स जोन्स, पूर्व अफगान राष्ट्रपति और आध्यात्मिक नेता सिबगातुल्लाह मुजादिदी और अफगानिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजे) अब्दुल सलाम अजिमी को दिया जा चुका हैं।

मालदीव

तत्कालिन विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने 8 जून 2019 को घोषणा की थी कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापारिक यात्रा के दौरान उन्हें सर्वोच्च सम्मान "रूल ऑफ मार्क इज्ज़ुद्दीन" से सम्मानित किया जाएगा।यह पुरस्कार विदेशी गणमान्यों को दिए जाने वाला मालदीव का सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं। इसमें कहा गया था कि प्रधानमंत्री को यह पुरस्कार मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सहायता के लिए दिया गया है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वालों में ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग प्रिंस फिलिप, लुईस माउंटबेटन, बर्मा के प्रथम अर्ल माउंटबेटन, दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति चुन डू ह्वान, राष्ट्रमंडल के पूर्व महासचिव श्रीदाथ सुरेंद्रनाथ रामफल, प्रिंस अलवलीद बिन तलाल बिन अब्दुलअज़ीज़,सऊदी अरब के अल सऊद और फिलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास आदि शामिल हैं।

बहरीन

25 अगस्त 2019 को क्राउन प्रिंस ने नरेंद्र मोदी को 'द किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां' से सम्मानित किया था।
प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खाड़ी के बहरीन की यात्रा करने वाले नरेंद्र मोदी भारत के पहले भारतीय प्रधान मंत्री हैं। बहरीन साम्राज्य के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के दिशा में उनके प्रयासों की मान्यता में प्रधान मंत्री मोदी को बहरीन ऑर्डर - प्रथम श्रेणी प्रदान किया गया। राजा हमद के नाम पर रखा गया ये सम्मान बहरीन का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। इस पुरस्कार की स्थापना देश के विकास के लिए सेवाओं के लिए 17 अप्रैल 2008 को राजा हमाद द्वितीय द्वारा की गई थी।यह पुरस्कार इससे पहले बहरीन के प्रधानमंत्री खलीफा बिन सलमान अल खलीफा, जार्डन के क्राउन प्रिंस हुसैन को दिया जा चुका हैं।

फिजी

फिजी के प्रधानमंत्री सित्विनी राबुका ने 22 मई 2023 को भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश के सर्वोच्च सम्मान ‘कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी’ से सम्मानित किया था। प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक नेतृत्व के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है,फिजी के सर्वोच्च सम्मान से किसी अन्य देश के व्यक्ति को दुर्लभ ही सम्मानित किया जाता हैं। यह सम्मान इसलिए खास है, क्योंकि अब तक कुछ गिने-चुने 'गैर फिजी' नागरिकों को ही दिया गया है।

पलाऊ गणराज्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 22 मई 2023 को पलाउअन उपकरण 'एबाकल' से सम्मानित किया गया, यह सम्मान उन्हें पलाऊ गणराज्य के राष्ट्रपति सुरंगेल एस. व्हिप्स, जूनियर द्वारा दिया गया था।

पापुआ न्यू गिनी

22 मई 2023 को पापुआ न्यू गिनी ने प्रशांत द्वीप देशों की एकता और ग्लोबल साउथ की अगुआई करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू' से सम्मानित किया। पपुआ न्यू गिनी के बहुत कम गैर-निवासियों को यह पुरस्कार मिला है।पापुआ न्यू गिनी में प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशांत द्वीप समूह के बीच एकता को बढ़ावा देने, वैश्विक दक्षिण दृष्टिकोण का नेतृत्व करने के साथ-साथ अपने वैश्विक नेतृत्व की सहमति के लिए इस सम्मान से सम्मानित किया गया।

हाल में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान में जी-7 के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद जब पापुआ न्यू गिनी पहुँचे ।तब पीएम मोदी के स्वागत के लिए मेज़बान देश पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ख़ुद एयरपोर्ट उनके पैर छूते दिखे,इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मारापे की पीठ थपथपाते हुए उन्हें उठाया था।

सऊदी अरब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 3 अप्रैल 2016 को सऊदी अरब के सर्वोच्च नागरिक सम्मान- किंग अब्दुलअज़ीज़ सैश से सम्मानित किया गया था। प्रधानमंत्री को रॉयल कोर्ट में किंग सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया।। इस पुरस्कार का नाम आधुनिक सऊदी स्टेट के संस्थापक अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद के नाम पर रखा गया है।इससे पूर्व यह सम्मान अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा, ब्रिटिश प्रधान मंत्री डेविड कैमरन, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर कैप्चर, जापानी प्रधान मंत्री शिंजो आबे और इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो को दिया जा चुका हैं।

चैंपियंस आफ द अर्थ अवार्ड

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2018 में संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार चैंपियंस ऑफ द अर्थ से सम्मानित किया गया। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटारेस ने सम्मानित करते हुए कहा कि पर्यावरण के क्षेत्र में योगदान के देने के लिए चैंपियंस ऑफ द अर्थ से नवाजा जाता है। यह सम्मान उन्हें पॉलिसी लीडरशिप कैटिगरी में दिया गया है। पीएम मोदी के अलावा ये सम्मान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों को भी मिला। दोनों को यह सम्मान इंटरनेशनल सोलर अलायंस और पर्यावरण के मोर्चे पर कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए दिया गया है।पर्यावरण के सबसे बड़े सम्मान के रूप में दिए जाने वाले इस पुरस्कार को साल 2005 में लांच किया गया था। यह पुरस्कार पर्यावरण के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए व्यक्ति और संगठनों को दिया जाता है।

वैश्विक पर्यावरण की दृष्टि से लोगों को प्रेरित करने के लिए जो व्यक्ति राजनीतिक नेतृत्व के तहत काम करते हैं, जमीनी कार्रवाई करते हैं या फिर वैज्ञानिक नवाचार के माध्यम से काम करते हैं, वह इस सम्मान को पाने के हकदार होते हैं।लाइफटाइम अचीवमेंट, पॉलिसी लीडरशिप, कार्य और प्रेरणा, उद्यमी दृष्टि, विज्ञान और नवाचार श्रेणी में यह पुरस्कार दिया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को पर्यावरण के लिए वैश्विक समझौते करने और पीएम मोदी को 2022 तक प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह खत्म करने की शपथ के लिए इस सम्मान से नवाजा गया । भारत के लिए यह बहुत बड़े सम्मान की बात है कि पीएम मोदी के अलावा कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी इस सम्मान से नवाजा गया है। हवाई अड्डे को सस्टेनेबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) की दिशा में आगे बढ़ते हुए उद्यमी दृष्टि दिखाने के लिए पुरस्कार से नवाजा गया। यह हवाई अड्डा दुनिया को बताने का काम कर रहा है कि हमारे वैश्विक आंदोलन के सतत विस्तार नेटवर्क से पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।हवाई अड्डे के बारे में कहा गया है कि समाज की गति में लगातार वृद्धि हो रही है, ऐसे समय में दुनिया का पहला पूर्ण संचालित हवाई अड्डा इस बात का सबूत है कि ग्रीन बिजनेस ही अच्छा बिजनेस है।

ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड

2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका में ग्लोबल गोलकीपर अवॉर्ड से नवाजा गया था। पीएम मोदी को यह अवॉर्ड स्वच्छ भारत अभियान के लिए बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा न्यूयार्क में दिया गया। फाउंडेशन ने पीएम मोदी को भारत में 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वच्छता प्रदान करने के लिए गोलकीपर ग्लोबल गोल्स पुरस्कार प्रदान किया,बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा दिए जाना वाला ग्लोबल गोलकीपर अवॉर्ड एक विशेष सम्मान है जो एक ऐसे राजनेता को दिया जाता है जिसने वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में देश या फिर वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली नेतृत्व का परिचय दिया हो। पीएम मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को देश में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी, इस मिशन के तहत अब तक देश में 9 करोड़ टॉयलेट्स बनाए गए हैं।फिलहाल देश के 98% गांवों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध है जबकि 4 साल पहले ऐसे गांवों की संख्या सिर्फ 38% थी, आंकड़ों के मुताबिक 36 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में अब 27 खुले में शौच से मुक्त हो चुके हैं।यह हर साल तय सतत विकास के 17 लक्ष्यों में से किसी भी एक पर अच्छा काम करने वाले शख्स को दिया जाता है।बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने गोलकीपर अवॉर्ड की शुरुआत की। यह अवॉर्ड लोगों को इन लक्ष्यों को पाने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। पहला ग्लोबल गोलकीपर्स अवॉर्ड कार्यक्रम साल 2017 में आयोजित किया गया था।

फिलिप कोटलर प्रेजिडेंशियल पुरस्कार

यह पुरस्कार तीन आधार पीपुल, प्रॉफिट और प्लानेट पर केन्द्रित है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष किसी देश के नेता को प्रदान किया जाता हैं। पीएम मोदी को यह पुरस्कार 2019 में नई दिल्ली में 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर प्रदान किया गया। प्रशस्तिपत्र में कहा गया है कि नरेन्द्र मोदी को देश को उत्कृष्ट नेतृत्व देने के लिए चुना गया है। देश के लिए अथक ऊर्जा के साथ उनकी निःस्वार्थ सेवा की वजह से देश ने बेहतरीन आर्थिक, सामाजिक और प्रौद्योगिकीय विकास हासिल किया है। प्रशस्ति में कहा गया है कि श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की पहचान अब नवाचार और मूल्यवर्धित उत्पादन केन्द्र (मेक इन इंडिया) के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी, लेखांकन एवं वित्त जैसे पेशेवर सेवाओं के केन्द्र के रूप में हुई है। प्रशस्ति पत्र में यह भी कहा गया है कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व की वजह से सामाजिक लाभ और वित्तीय समावेशन के लिए विशिष्ट पहचान संख्या, आधार सहित डिजिटल क्रांति (डिजिटल इंडिया) क्रांति हो सकी। इससे उद्यमिता, व्यापार सुगमता और देश के लिए 21वीं सदी का ढांचागत विकास करने में मदद मिली है।

कोटलर अवार्ड व्यक्तियों और कंपनियों के उदाहरणों को प्रोत्साहित करने और इसके साथ ही राष्ट्रीय उद्योग में आपसी कॉम्पटीशन को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये अवार्ड नए-नए लोगों को अपने साथ जोड़ने का मूल्य बताते हैं और अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से सफल बाजार प्रदर्शन प्राप्त करते हैं।

सेरावीक ग्लोबल इनर्जी एंड इंवायरमेंट लीडरशिप अवार्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मार्च 2021 में कैंब्रिज एनर्जी रिसर्च एसोसिएट्स वीक (सेरावीक) के वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार से नवाजा गया था। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने यह सम्मान स्वीकार किया और इसे देश की जनता को समर्पित किया।उल्लेखनीय है कि सेरावीक वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण लीडरशीप पुरस्कार की शुरुआत साल 2016 में हुई थी। वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण के क्षेत्र में प्रतिबद्ध नेतृत्व के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।बता दें कि डॉक्टर डेनिएल येरगिन ने 1983 में सेरावीक की स्थापना की थी। इसकी स्थापना के बाद से प्रत्येक साल मार्च महीने में ह्यूस्टन में सेरावीक का आयोजन होता है। इसकी गिनती विश्व के अग्रणी ऊर्जा मंचों में होती है।CERAWeek की ओर से बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को होने वाले कार्यक्रम में हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनने के लिए तत्पर हैं,उन्हें मिल रहा सम्मान ये दर्शाता है कि भारत सस्टेनबेल डेवलेपमेंट, एनर्जी के क्षेत्र में दुनिया को राह दिखा रहा है।

ROSCONG

제 14
서울평화
14th SEOUL
PRIZE AWA
평
화